



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 02-01-2026

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-01-02 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

| मौसम कारक | 2026-01-03 | 2026-01-04 | 2026-01-05 | 2026-01-06 | 2026-01-07 |
|--------------------------------|---------------------|---------------------|------------|------------|------------|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 15.0 | 15.0 | 15.0 | 16.0 | 16.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 1.0 | 1.0 | 1.0 | 2.0 | 2.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 77 | 70 | 75 | 68 | 69 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 45 | 42 | 40 | 45 | 40 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 7 | 8 | 7 | 7 | 7 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 330 | 340 | 10 | 310 | 300 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 2 | 2 | 1 | 1 | 1 |
| चेतावनी | सतही पाला; कोहरा | सतही पाला; कोहरा | कोहरा | कोहरा | कोहरा |

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में बारिश की कोई संभावना नहीं है और घने कोहरे तथा पाला पड़ने का अनुमान है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस और 1.0-2.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। हवा 7-8 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम-उत्तर, उत्तर-उत्तर-पश्चिम, पूर्व-दक्षिण, उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। आने वाला हफ्ता ठंडा रहेगा और 2 से 6 जनवरी तक घना कोहरा छाए रहने की संभावना है तथा 2 और 4 जनवरी को पाला पड़ने के असर है। घने कोहरे और पाला पड़ने के बारे में पीला अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

2 से 6 जनवरी तक घने कोहरे की संभावना को लेकर पीला अलर्ट जारी किया गया है, साथ ही 2 और 3 जनवरी को पाला पड़ने की भी संभावना है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

पाला पड़ने से फसलों को ठंड के कारण नुकसान हो सकता है, इसलिए फसल का तापमान कंट्रोल करने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। मौजूदा मौसम की स्थिति में बीमारी/कीटों का हमला बढ़ सकता है, और बीमारी और कीटों को कंट्रोल करने के लिए उपाय किए जाने चाहिए और अगर मौसम थोड़ा साफ हो जाए तो दोपहर के समय केमिकल का इस्तेमाल किया जा सकता है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम का पूर्वानुमान और कृषि-मौसम संबंधी सलाह "मेघदूत ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट की जाती है और बिजली गिरने की जानकारी पाने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूजर्स) और एप्प स्टोर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली बड़े पैमाने पर कम बारिश, सामान्य अधिकतम और सामान्य से कम न्यूनतम तापमान का रुझान दिखाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, घने कोहरे से दृश्यता पर असर पड़ेगा और पाले से फसलों को ठंड से नुकसान हो सकता है, इसलिए हल्की सिंचाई और बीमारी/कीट नियंत्रण के उपाय किए जाने चाहिए।

फसल विशिष्ट सलाह:

| फसल | फसल विशिष्ट सलाह |
|-------------|--|
| रेंडी | फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए। बीमारी लगने पर, बीमारी/कीट नियंत्रण के उपाय अपनाने चाहिए। फसलों को ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। |
| मसूर की दाल | फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए। बीमारी लगने पर, बीमारी/कीट नियंत्रण के उपाय अपनाने चाहिए। फसलों को ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। |
| रेपसीड | फसल की नियमित रूप से निगरानी करनी चाहिए। घाटियों और निचली पहाड़ियों में फूल आने के समय ज़रूरत के हिसाब से हल्की सिंचाई करनी चाहिए और अगर कीट/बीमारी का हमला हो, तो कीट नियंत्रण उपायों का पालन करना चाहिए। |
| सरसों | फसल की नियमित रूप से निगरानी करनी चाहिए। घाटियों और निचली पहाड़ियों में फूल आने के समय ज़रूरत के हिसाब से हल्की सिंचाई करनी चाहिए और अगर कीट/बीमारी का हमला हो, तो कीट नियंत्रण उपायों का पालन करना चाहिए। |
| गेहूँ | बारिश पर निर्भर खेती में, निराई-गुड़ाई का काम करना चाहिए और सिंचित खेती में खरपतवार नियंत्रण के लिए बताए गए नियंत्रण उपायों का इस्तेमाल करना चाहिए। |
| जौ | निराई-गुड़ाई के कामों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और ठंड से होने वाले नुकसान से बचने के लिए जीवन बचाने वाली सिंचाई की जानी चाहिए। |

बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|-------------|--|
| शिमला मिर्च | तैयार नर्सरी में बीज बोने चाहिए और पौधों को पाले से बचाना चाहिए। पौधों को ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। |
| पालक | सिंचाई वाली घाटी में, मेथी, पालक और धनिया में सिंचाई के बाद निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। |
| आलू | आलू में पछेती झुलसा की बीमारी को नियंत्रित करने के लिए, सलाह दी जाती है कि मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल का छिड़काव किया जाना चाहिए। तापमान को नियंत्रित करने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। |
| सेब | फसल में बीमारी लगने की संभावना के लिए नियमित रूप से निगरानी करनी चाहिए और छंटाई के बाद अनुशंसित बीमारी नियंत्रण उपायों का पालन करना चाहिए। |
| नाशपाती | फसल में बीमारी लगने की संभावना के लिए नियमित रूप से निगरानी करनी चाहिए और छंटाई के बाद अनुशंसित बीमारी नियंत्रण उपायों का पालन करना चाहिए। |
| आड़ू | फसल में बीमारी लगने की संभावना के लिए नियमित रूप से निगरानी करनी चाहिए और छंटाई के बाद अनुशंसित बीमारी नियंत्रण उपायों का पालन करना चाहिए। |
| बेर | फसल में बीमारी लगने की संभावना के लिए नियमित रूप से निगरानी करनी चाहिए और छंटाई के बाद अनुशंसित बीमारी नियंत्रण उपायों का पालन करना चाहिए। |

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---------|--|
| भैंस | जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, उनके खाने में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। जानवरों को अजवाइन और गुड़ भी देना चाहिए। जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, पशुशाला का उचित इंतज़ाम |

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---------|--|
| | करना चाहिए। जानवरों को रैंडरपेस्ट बीमारी (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण करवाना चाहिए। ज़्यादा ऊर्जा की ज़रूरत के लिए जानवरों का चारा 10 प्रतिशत बढ़ा देना चाहिए। |
| गाय | जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, उनके खाने में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। जानवरों को अजवाइन और गुड़ भी देना चाहिए। जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, पशुशाला का उचित इंतज़ाम करना चाहिए। जानवरों को रैंडरपेस्ट बीमारी (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण करवाना चाहिए। ज़्यादा ऊर्जा की ज़रूरत के लिए जानवरों का चारा 10 प्रतिशत बढ़ा देना चाहिए। |

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

| अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) | अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह |
|---------------------------|---|
| सामान्य सलाह | पाला/कोहरे की स्थिति में, खेतों में नियमित अंतराल पर सिंचाई करनी चाहिए। |

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

| |
|---|
| ज़मीन पर पाला पड़ने से फसलों को ठंड से नुकसान हो सकता है। मौसम की स्थिति बीमारी/कीटों के हमले के लिए अनुकूल है, खासकर आलू में, इसलिए उचित खेती और फसलों की निगरानी की जानी चाहिए। |
|---|

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

| |
|---|
| पाला पड़ने से होने वाले नुकसान से बचने के लिए फसलों में हल्की सिंचाई करनी चाहिए, बीमारियों/कीटों के हमले के लिए फसलों की नियमित निगरानी करनी चाहिए और दोपहर के समय जब मौसम थोड़ा साफ हो और पातें सूखें हो, तब रासायनिक नियंत्रण का इस्तेमाल करना चाहिए। |
|---|

Farmers are advised to download Unified  "Mausam" and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>